Regarding merger of MTNL employee with BSNL

श्री अरविंद गणपत सावंत **(मुम्बई दक्षिण) :** महोदया, मैं व्यथित अंत:करण से बोल रहा हूं । वर्ष 2014 में महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड की जो अवस्था थी, उस पर इस सरकार ने कहा था कि हम उसे उबार कर आगे ला रहे हैं । अब ऐसी अवस्था है कि महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड की सेवाएं कहां मिलती हैं, उसके बारे में पता नहीं है । कंपनी है कि नहीं, उसके बारे में भी पता नहीं है । हाल ही में बीएसएनएल के कर्मचारियों का एग्रीमेंट हुआ, महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड के कर्मचारियों का एग्रीमेंट नहीं हुआ । आप मुझे अपनी बात पूरी कर लेने दीजिए । (व्यवधान)

माननीय सभापति**:** आप अपनी बात पूरी कर लीजिए ।

श्री अरविंद गणपत सावंत**:** एक तरफ यह सब करते हुए, उसमें 60 हजार कर्मचारी थे और अब सिर्फ 3200 कर्मचारी हैं । उनके लिए कंपनी है कि नहीं, इसके बारे में पता नहीं है । सबसे बड़ी बात है कि यह सब होते हुए, ये संचार साथी ऐप ला रहे हैं । यह संचार साथी नहीं है । जब यह इनबिल्ट आता है तो हमारे कानून में प्रावधान था कि अगर लैंड लाइन भी ऑब्जर्वेशन में करनी है तो गृह मंत्रालय पुलिस को जाकर बताती थी । अब यह इनबिल्ट आएगा । यह एक तरह का पेगासस है और गोपनीयता पर सरकार अतिक्रमण करना चाहती है । अभी थोड़ा सा सॉफ्ट रूप में लिया है, लेकिन अगर यह इनबिल्ट रहेगा तो यह घातक है । मैं इतना ही कहना चाहता हूं ।

महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड में 3200 कर्मचारी हैं । महानगर टेलीफोन निगम के कर्मचारियों को बीएसएनएल में लाया जाए । क्योंकि मुम्बई एवं दिल्ली जैसे शहरों में अभी वोडाफोन आइडिया सेवाएं दे रहा है और दोनों राजधानी हैं । दोनों जगह न्याय नहीं मिल रहा है । मैं आपके माध्यम से यह मांग करता हूं कि सरकार इन कर्मचारियों की सुरक्षा करें । उनको बीएसएनएल में लें । यह संचार साथी ऐप बंद करें । धन्यवाद ।

माननीय सभापति**:** अभी काफी माननीय सदस्य बोलना चाहते थे और बाकी जो सदस्य रह गए हैं**,** उनको कल मौका दिया जाएगा ।

---

* Moved with the recommendation of the President.

* **..*** English translation of this part of speech originally delivered in Tamil.

* **..*** English translation of this part of speech originally delivered in Tamil.

* **..*** English translation of this part of speech originally delivered in Tamil.

* **..*** English translation of this part of speech originally delivered in Tamil.

*** Expunged as ordered by the Chair.

* **..*** English translation of this part of speech originally delivered in Tamil.

* Not recorded as ordered by the Chair.